दैनिक भास्कर
सवाई माधोपुर 20-02-2023

पीजी कॉलेज में कार्यशाला • तमिलनाडु, महाराष्ट्र, असम, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान व मलेशिया के 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया

ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा के प्रति जागरूक किया, इसकी जरूरत, देश में उपलब्धता पर चर्चा, विषय विशेषज्ञों ने जानकारी दी

कार्त| सवाई माधोपुर

कैप्टन रिपुदमन सिंह राजकीय महाविद्यालय में रविवार सुबह 11:30 बजे से "ए स्टैप टुवड्स सस्टेनेबल फ्यूचर: ग्रीन हाइड्रोजन, एंटरप्रेन्योर-शिप एंड एसडीजी" विषय पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से उच्च शिक्षा में पढ़ रहे स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं एवं प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के नवीनतम प्रयास ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा एवं उद्यमिता से परिचित कराया गया।

कार्यशाला का प्राचार्य डॉ. गोपाल सिंह, संयोजक डॉ. अमर नाथ अग्रवाल एवं कार्यशाला प्रभारी डॉ. प्रेम सोनवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। प्राचार्य ने नवीनीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन ऊर्जा और

कार्यशाला से ऑनलाइन जुड़े पीजी महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य।

भारत को ईंधन का शुद्ध निर्यातक बनाने के लिए एक कार्यक्रम राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन एवं स्टार्टअप के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि कि भारत में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए भौगोलिक स्थिति अनुकूल होने के साथ धूप और हवा की प्रचुर उपलब्धता है।

कार्यशाला संयोजक डॉ. अग्रवाल ने कार्यशाला का महत्व बताया। कार्यशाला प्रभारी व कोऑर्डिनेटर डॉ. प्रेम सोनवाल ने गांधीजी के कथन 'धरती पर सभी की आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, उनके लालच के लिए नहीं' से अपनी बात प्रारम्भ की। उन्होंने तेजी से खत्म हो रहे प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण प्रदूषण, ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा, सतत विकास लक्ष्यों की जानकारी दी।

मुख्य वक्ता इंजीनियर पुनीत अग्रवाल, प्रोजेक्ट क्वॉलिटी लीड, आयरलैंड ने हाइड्रोजन ऊर्जा का परिचय, ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा का उत्पादन एवं उसका तुलनात्मक अध्ययन, ग्रीन हाइड्रोजन की प्राप्ति में आने वाली चुनौतियां, भारत जैसे देशों में इसकी प्रचुर सम्भावना, दक्ष कौशल की आवश्यकता एवं कॅरियर अपॉर्चुनिटी, उद्यमिता के विभिन्न अवसर और सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति पर पीपीटी एवं वीडियो के जरिए जानकारी दी।

कार्यशाला में कई राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया

मुख्य वक्ता इंजीनियर पुनीत अग्रवाल ने ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा के प्रति जागरूकता के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नावली का भी गूगल फॉर्म से आयोजन किया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला के इंटररेक्शन सत्र में दिल्ली से एच.के. अग्रवाल की जिज्ञासा पर मुख्य वक्ता ने विचार प्रकट किए। कार्यशाला का लाइव आयोजन गूगल मीट एवं यूट्यूब लिंक से किया। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों तमिलनाडु, महाराष्ट्र, असम, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश एवं मलेशिया से लगभग 700 प्रतिभागियों ने गूगल मीट एवं यूट्यूब लिंक से भाग लिया। कार्यशाला प्रभारी डॉ. प्रेम सोनवाल ने कार्यशाला में जुड़े रहे सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।